संसारसागरस्य नायका: कक्षा - आठवीं संस्कृत मॉड्यूल 1/2

- प्रस्तुतकर्ता : प्रदीप कुमार
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिन्दी / संस्कृत
परमाणु ऊर्जा केंदीय विद्यालय नरवापहाड़

संसार सागरस्य नायका:

- के आसन् ते अज्ञातनामान:? शतश: सहस्रश: तडागा: सहसैव शून्यात् न प्रकटीभूता: | इमे एव तडागा: अत्र संसारसागरा: इति | एतेषाम् आयोजनस्य नेपथ्ये निर्मापयितृणाम् एककम् निर्मातृणाम् च दशकम् आसीत् |
- कौन थे अज्ञात नाम वाले व्यक्ति | सैकड़ों और हजारों तालाब यूँ ही शून्य से प्रकट (उत्पन्न) नहीं हुए थे | यही तालाब यहाँ संसार के तालाब कहे गए है | इन तालाबों के आयोजन में बनवाने वालों की संख्या एक होती थी परंतु बनाने वालों की संख्या दस या उससे भी अधिक होती थी

गजधरों की महत्ता

- एतत् एककं दशकं च आहत्या शतकं सहस्रंवा रचयत: स्म| परं विगतेशु द्विवर्षेषु नूतन पद्धत्या समाजेन यत्किंचित् पठितम्| पठितेन तेन समजेन एककं दशकंसहस्रञ्च इत्येतानि शुन्ये एव परिवर्तितानि|
- ये एक या दस की संख्या वाले व्यक्ति सौ या हजारों की संख्या में तालाबों का निर्माण करते थे| परंतु बीते हुए दो वर्षों में नई पद्धति से समाज ने जो कुछ सीखा या जो कुछ पढ़ा है उस पढ़े हुए समाज ने उस एक की संख्या या हजारों की संख्या को शून्य में परिवर्तित कर दिया है अर्थात हमने उनके योगदान और परिश्रम को भुला दिया है

गजधरों के प्रति उपेक्षा भाव

- अस्य नूतन समाजस्य मनसि इयमपि जिज्ञासा नैव उद्भूता यत अस्मात्पूर्वम् एतावत: तड़ागान् रचयन्ति स्म| एतादृशानी कार्याणि कर्तुं ज्ञानस्य यो नूतन: प्रविधि विकसित:, तेन प्रविधिनाऽपि पूर्वं सम्पादितम् एतत्कार्यं मापयितुं न केनापि प्रयतितम्|
- आज के इस समाज में यह जननी की इच्छा कभी नहीं होती की उनसे पहले इन तालाबों का निर्माण किसने किया होगा ? इस प्रकार कार्यों को करने के लिए ज्ञान की जो नई तकनीक विकसित हो चुकी है उस नई तकनीक के द्वारा भी पहले से किए गए इन कारों के मापन का प्रयास किसी ने नहीं किया |

गजधरों का इतिहास

- अद्य ये अज्ञातनामान: वर्तन्ते पूरा ते बहुप्रथिता आसन् | अशेषे हि देशे तडागा: निर्मीयन्ते स्म, निर्मातारोऽपि अशेषे देशे निवसन्ति स्म|
- आज जो व्यक्ति हमारे लिए अंजान हैं पुराने समय में ये बहुत प्रसिद्ध हुआ करते थे | पूरे के पूरे देश में तालाबों का निर्माण किया जाता था | तालाब बनानेवाले व्यक्ति भी इन सभी जगहों पर मिल जाते थे |

कठिन शब्दार्थ

- के — कौन
- अज्ञातनामान: — अज्ञात नाम वाले
- सहस्रश: — हजारों
- सहसैव — अचानक ही
- आसन् — थे
- तडागा: — तालाब
- मनसि — मन में
- नेपथ्ये — पर्दे के पीछे
- विगतेषु — बीते हुए

एकपदेन उत्तरत

- कस्य राज्यस्य भागेषु गजधर: इति शब्द : प्रयुज्यते ?
- गजपरिमाणम् क: धारयति?
- कार्य समाप्तौ वेतनानि अतिरिच्य गजधरेभ्य: किं प्रदीयाते स्म?
- के शिल्पिरुपेन समादृता: भवन्ति?

- राजस्थानस्य
- गजधर:
- सम्मान:
- गजधरा:

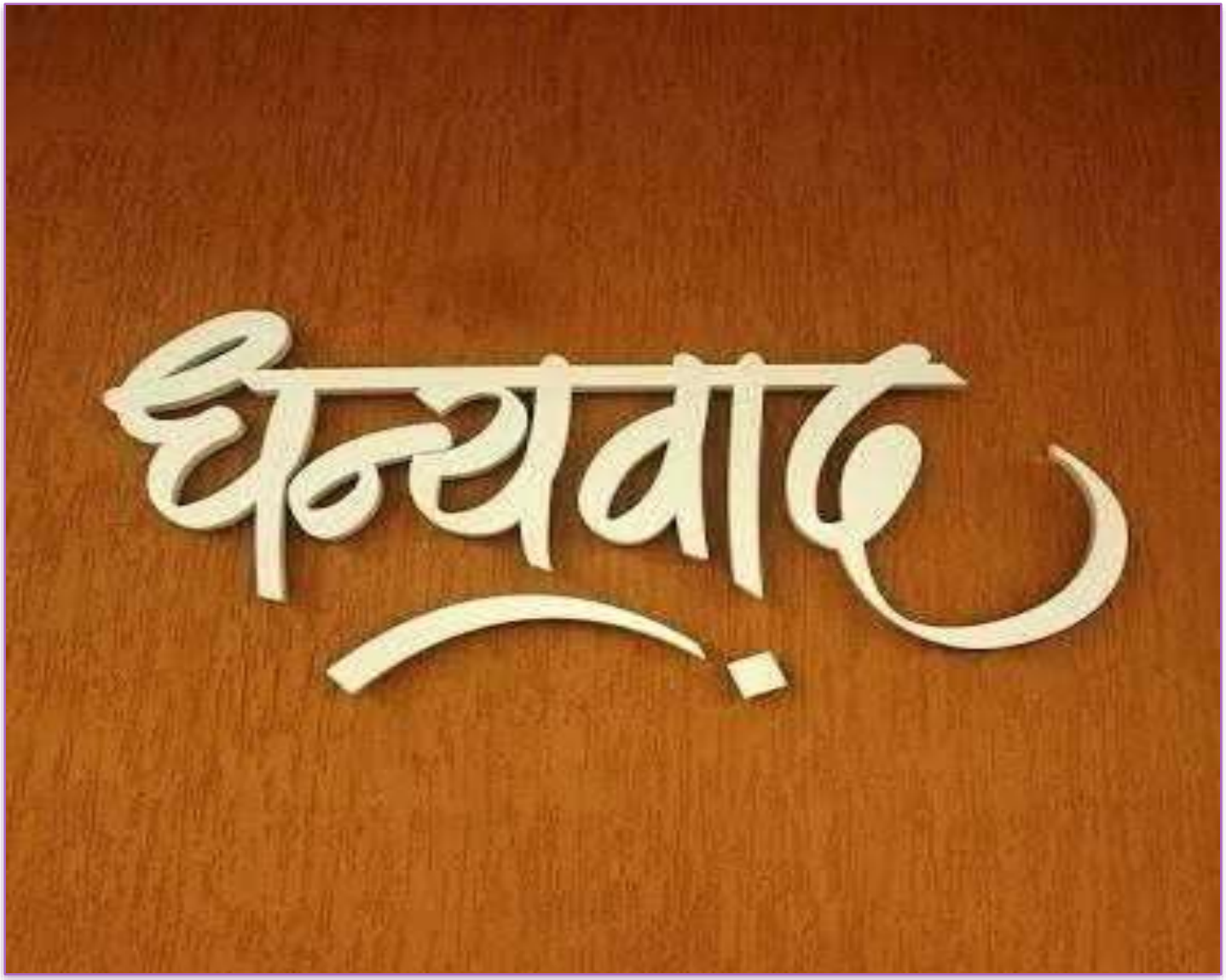
धन्यवाद